Regarding issue of advisory to local authorities for inviting elected representatives in meeting related to State Government Schemes

श्री वीरेन्द्र सिंह **(**चन्दौली**) :** महोदय, मैं वाराणसी जनपद से आता हूं । मेरा संसदीय क्षेत्र चन्दौली है । मैं अपने को और वहां के लोग खुद को भाग्यशाली समझते थे कि वाराणसी जनपद का हमारा सांसद इस देश का प्रधान मंत्री है ।

माननीय अध्यक्ष : आप केवल अपना विषय रखिए ।

? (व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंह**:** सर, हम विषय ही रख रहे हैं । हमे लगता था कि विकास का कुछ भाग हम लोगों को भी मिलेगा, लेकिन हमें निराशा मिलती है, क्योंकि वहां के अधिकारी आज भी सत्ता के नशे में चूर हैं । कोई भी मीटिंग हो, कोई भी योजनाएं हों, अगर वहां कोई बैठक होती है, तो न हमारे पास उसकी सूचना आती है और न ही हमें उसकी कार्रवाई के बारे में बताया जाता है । उसका दुष्परिणाम यह है, जैसे किसानों की जो छोटी-छोटी समस्याएं हैं, अगर हम लोग फोन करते हैं तो सिंचाई विभाग बिजली विभाग पर टाल देता है । उसके बाद बिजली विभाग भी किसी और पर टाल देता है ।

माननीय अध्यक्ष **:** ओके । यह राज्य का विषय है ।

श्री वीरेन्द्र सिंह**:** सर, आप मेरा निवेदन तो सुन लीजिए । मेरा निवेदन यह है कि आपकी तरफ से एक एडवाइजरी जानी चाहिए, क्योंकि मैं भी एक चुना हुआ प्रतिनिधि हूं । मैंने भी संविधान की कसम खाई है । मुझसे ऐसी कौन-सी गोपनीयता भंग होती है, जो मुझे मीटिंग की सूचना नहीं भेजी जाती है और न ही मुझे बुलाया जाता है । आप एक और घटना के बारे में सुन लीजिए । ? (व्यवधान)